स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर – 335001

Phone : 0154 – 2440619, Fax : 0154 – 2440703, web. : www.raubikaner.org Email : arssgnr2003@gmail.com

मौसम आधारित कृषि साप्ताहिकी

(**Agromet Advisory Bulletin No. : 92/2024**)

जिला – श्रीगंगानगर

जारी करने की तिथि : 16.02.2024

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षा: पिछले 5 दिनों के दौरान हल्के बादल छाये रहे व इस दौरान अधिकतम तापमान 22.0–25.1 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 8.2–8.9 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहा। इस दौरान हल्की गति की हवायें उत्तर–पूर्व दिशा से चली।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणी: राज्य मौसम विभाग जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर श्रीगंगानगर में आगामी 5 दिनों के दौरान दिनांक 18 व 19 फरवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 26.0–29.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8.0–13.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की से मध्यम गति की हवायें परिवर्तनशील दिशा से चलने की संभावना है।

दिनांक	16 फरवरी	17 जनवरी	18 फरवरी	19 फरवरी	20 फरवरी
वर्षा (मि.मी)	0	0	1	2	0
अधिकतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	28	29	28	26	28
न्यूनतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	8	10	12	13	11
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) अधिकतम	26	20	33	30	59
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	9	9	34	11	21
हवा की गति (कि.मी./घंटा)	6	14	17	14	13
हवा की दिशा	SSW	SE	SSW	WNW	NNW

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnow ganganagar & cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह (Agricultural Advisory)
गेहूँ	कल्ले व गांठ बनना	सिंचाई जिंक की कमी दीमक नियंत्रण पीली रोली रोग	• समय पर बोई गई गेहूं की फसल में तीसरी सिचांई दूसरी सिंचाई के 25–30 दिन बाद (गांठ बनने की अवस्था पर) देवें। पिछेती बोई गई गेहूँ की फसल में दूसरी सिंचाई प्रथम सिंचाई के 25–30 दिन बाद (फुटान के समय) देवें। • गेहूँ की खड़ी फसल में यदि जिंक की कमी दिखाई देवें तो 0.5 प्रतिशत (1.5 किलो जिंक सल्फेट एवं 750 ग्राम बुझा हुआ चूना 100 से 150 लीटर पानी प्रति बीघा) जिंक सल्फेट के विलयन का एक छिड़काव वानस्पतिक वृद्धि अवस्था पर करें। • गेहूँ की फसल में दीमक का अत्यधिक प्रकोप होने पर क्लोरोपाइरीफॉस (20 ई.सी.) 1 लीटर या इमिडाक्लोप्रिड (17.8 एस.एल.) का 125 मिली. प्रति बीघा की दर से सिंचाई पानी के साथ देवें। • यदि गेहूँ की अगेती फसल में पत्तियों पर पीले (हल्दिया) रंग का पाउडर रेखीय धारियों के रूप में दिखाई देवें तो इसके नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजॉल 25 ई.सी. या टेबूकोनाजॉल 25.9 ई.सी. का एक मिली. लीटर पानी की दर से बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	पुष्प व फली बनना	सिंचाई सफेद रोली रोग तना गलन	• यदि फसल को तीसरी सिंचाई की आवश्यकता हो तो बुवाई के 90–100 दिन बाद (फलियों में दाना बनते समय) देवें। • पिछेती बिजाई में सफेद रोली रोग के लक्षण दिखाई देने पर किसान भाई मेटालेक्सिल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर फसल पर छिड़काव करें। • सरसों की फसल में तना गलन व झुलसा रोग होने पर कार्बेडाजिम 12 प्रतिशत एवं मेन्कोजेब 63 प्रतिशत के मिश्रण का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
चना	पुष्पन अवस्था	सिंचाई निराई हरी लट दीमक	• यदि फसल में आवश्यकता हो तो दूसरी सिंचाई बुवाई के 90–100 दिन बाद (फली आने पर) देवें। अगर एक ही सिंचाई देनी हो तो बुवाई के 60–65 दिन बाद देवें। सिंचाईयाँ हल्की हो यह ध्यान रखना चाहिए। चने की फसल में कसिये से एक बार निराई गुडाई करें। • फली छेदक से बचाव के लिए फरवरी माह से एक फेरोमेन ट्रेप प्रति बीघा में लगाये अथवा चनें में यदि हरी लट दिखाई देवें तो इसके नियंत्रण हेतु क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत 6 किलो प्रति बीघा की दर से फसल पर भुरकाव करें। • सिंचित क्षेत्रों की फसल में दीमक का प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरिपाइरीफॉस (20 ई.सी.) 1 लीटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. की 125 मिली. मात्रा प्रति बीघा सिंचाई के पानी के साथ देवें या ड्रेचिंग करे।
जौ	कल्ले व गांठ बनना	सिंचाई दीमक नियंत्रण	• दूसरी सिंचाई बुवाई के 60–70 दिन बाद लगावें। • जौ की खड़ी फसल में दीमक रोकथाम के लिये क्लोरिपाइरीफॉस (20 ई.सी.) 1 लीटर प्रति बीघा दे।
गन्ना	कटाई	–	• किसान भाई गन्ने की फसल की कटाई शुरू कर देवें। फसल की कटाई करते समय ध्यान रखें, कि कटाई जमीन से सटाकर तेज धार वाले हसिये को तिरछे रखते हुये करें, ताकि गन्ना नीचे से फटे नहीं।
किन्नू	–	साफ सफाई	• फल तुड़ाई के बाद में बाग की साफ सफाई करके जुताई कर दें तथा पेड़ों में कंटाई छंटाई करके गुल्ले, सूखी एवं बढ़ी हुई टहनियों को काट देवें। कटाई के बाद बोर्डेक्स मिक्चर (2:2:250) का छिड़काव करें।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए केन्द्र की किसान हेल्पलाईन मोबाईल न0 9828840302 पर सम्पर्क करें।

तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं
नोडल ऑफिसर–ग्रामीण कृषि मौसम सेवा